नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय के कर्मचारी प्रदीप चव्हान का देहदान का संकल्प

महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, सेवाग्राम

वर्धा, 11 सितंबर 2018: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में आउटसोर्सिंग एजेंसी के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारी प्रदीप जगन्नाथ चव्हान ने मरणोपरांत देहदान का संकल्प किया है। उन्होंने मृत्यु के पश्चात अपना देह महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान सेवाग्राम, वर्धा को देने हेतु आवश्यक कार्यवाही पूरी कर ली है। उनके इस संकल्प के बाद उन्हें संस्थान की ओर से अभिनंदन का पत्र प्रदान किया है। पत्र में कहा गया है कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए मानवी शरीर की अत्यंत आवश्यकता होती है और वह पूर्ण करने के लिए आपने अपने मृत्यु के पश्चात देह दान करने की अनुमति दी है इसके लिए हम आपका अभिनंदन करते है। शरीर रचना विज्ञान विभाग के प्रमुख एम. आर. शेंडे की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि देह दान विश्व में सभी दान में श्रेष्ठ दान है और यह पवित्र दान है। आपके इस पवित्र दान से अन्य लोग भी प्रेरित होंगे। वर्धा के त्रिमूर्ति नगर निवासी 48 वर्षीय प्रदीप चव्हान के इस संकल्प के लिए संस्थान ने उनके प्रति आभार जताया है और उनकी इस पहल का विश्वविद्यालय की ओर से स्वागत किया जा रहा है।